



(राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) आधारित पाठ्यक्रम)
 ऑनलाइन षण्मासिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
विषय- तीर्थाटन
 (2026-27 प्रभावी)

पूर्णांक-100- सैद्धान्तिक -80, आन्तरिक मूल्यांकन- 20

कुल क्रेडिट = 6 x 4 = 24

TAC- 1	तीर्थाटन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम- प्रथम पत्र	पूर्णांक 80+20=100	अर्जिताधिकार (क्रेडिट) 05+01=06
पाठ्यविभाग	पाठ्य विषय	अंक	अर्जिताधिकार (क्रेडिट)
1	तीर्थाटन का सामान्य परिचय, अवधारणा व मूलभूत सिद्धान्त।	16	1
2	तीर्थ यात्रा का धार्मिक, अर्थिक एवं सामाजिक महत्त्व तथा प्रभाव। तीर्थाटन व आपदा एवं भीड़ प्रबन्ध, जागरूकता।	16	1
3	तीर्थाटन का उद्देश्य एवं भारतीय परम्परा तथा लोकाचार।	16	1
4	तीर्थाटन के मूलभूत सिद्धान्त एवं सांस्कृतिक परिचय में सहायक तीर्थाटन में तकनीकी का उपयोग-ई दर्शन, ऑनलाइन पंजीकरण, प्रसादम् योजना।	16	1
5	तीर्थाटन का इतिहास एवं सार्वभौमिक विकास एवं विस्तार।	16	1
6	प्रायोगिक सत्रीय कार्य (आन्तरिक मूल्यांकन)	20	1

TAC- 2	तीर्थाटन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम- द्वितीय पत्र	पूर्णांक 80+20=100	अर्जिताधिकार (क्रेडिट) 05+01=06
पाठ्यविभाग	पाठ्य विषय	अंक	अर्जिताधिकार (क्रेडिट)
1	स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार में सहायक तीर्थाटन व यात्रा।	16	1
2	भारतीय प्रसिद्ध तीर्थ एवं भौगोलिक स्थिति, तीर्थाटन में पर्यावरण संरक्षण एवं नैतिकता।	16	1
3	भारत में प्रमुख शक्ति पीठ, द्वादश ज्योतिर्लिंग, चारधाम, सप्त पुरी-सामान्य परिचय एवं महत्त्व।	16	1
4	सांस्कृतिक एवं धार्मिक केन्द्र के रूप में प्रमुख भारतीय तीर्थ।	16	1
5	भारतीय ज्ञान-परम्परा में तीर्थों का अवदान।	16	1
6	प्रायोगिक सत्रीय कार्य (आन्तरिक मूल्यांकन)	20	1

[Signature]

[Signature]
 18/04/2026
 18.4.2026

[Signature]
 18/04/2026
 संचालक

TAC- 3	तीर्थाटन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम- तृतीय पत्र	पूर्णांक 80+20=100	अर्जिताधिकार (क्रेडिट) 05+01=06
पाठ्यविभाग	पाठ्य विषय	अंक	अर्जिताधिकार (क्रेडिट)
1	केदारखण्ड के प्रमुख पौराणिक तीर्थ- सामान्य परिचय एवं भौगोलिक स्थिति।	16	1
2	केदारखण्ड के चार धाम- यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ एवं बद्रीनाथ। केदारखण्ड मन्दिर माला।	16	1
3	गढ़वाल मण्डल के अन्य प्रमुख तीर्थ स्थल-सामान्य परिचय, पंच बदरी, पंच केदार, पंच प्रयाग, हेम कुण्ड साहिब, त्रिजुगीनारायण, कण्वाश्रम, नीलकण्ठ महादेव, कालीमठ।	16	1
4	कुम्भ नगरी हरिद्वार-मन्सा देवी, चण्डी देवी, दक्ष मन्दिर, हर की पैड़ी, टपकेश्वर महादेव, द्रोणाचार्य आश्रम, देहरादून।	16	1
5	योग नगरी ऋषिकेश-रामझूला, लक्ष्मण झूला, मुनी की रेती, त्रिवेणी घाट, परमार्थ निकेतन, तीर्थाटन एवं पर्यटन, प्राकृतिक सौन्दर्य फूलों की घाटी, द्रोणगिरी पर्वत।	16	1
6	प्रायोगिक सत्रीय कार्य (आन्तरिक मूल्यांकन)	20	1

TAC- 4	तीर्थाटन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम- चतुर्थ पत्र	पूर्णांक 80+20=100	अर्जिताधिकार (क्रेडिट) 05+01=06
पाठ्यविभाग	पाठ्य विषय	अंक	अर्जिताधिकार (क्रेडिट)
1	मानसखण्ड के प्रमुख तीर्थ- सामान्य परिचय एवं भौगोलिक स्थिति, पवित्र तीर्थ स्थलों की मर्यादा एवं सुरक्षा, प्राकृतिक जलस्रोत संरक्षण।	16	1
2	मानसखण्ड के पौराणिक तीर्थ - यागेश्वर, व्याघ्रेश्वर, पातालभुवनेश्वर का परिचय एवं महत्त्व।	16	1
3	कुमाँऊ मण्डल के अन्य प्रमुख तीर्थ स्थल-सामान्य परिचय, न्याय देवता गोल्ल्यू मन्दिर (अल्मोड़ा, चम्पावत) कटारमल सूर्य मन्दिर, द्वाराहाट मन्दिर समूह।	16	1
4	कुमाँऊ मण्डल की नन्दादेवी, कसारदेवी, वाराहीदेवी, नैनादेवी, हाटकालिका, पूर्णागिरिधाम।	16	1
5	कुमाँऊ के अर्वाचीन मन्दिर एवं अन्य तीर्थ-कैची धाम, डोल आश्रम, नारायण आश्रम, ब्यानधूरा, मायावती आश्रम, रीठासाहिब, नानकमत्ता साहिब, मोटेश्वर महादेव। उभरते तीर्थ -ओम पर्वत, आदि कैलाश, मानसखण्ड, मन्दिरमाला।	16	1
6	प्रायोगिक सत्रीय कार्य (आन्तरिक मूल्यांकन)	20	1

TAC-5	तीर्थाटन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम- पंचम पत्र प्रायोगिक मौखिक परीक्षा	पूर्णांक 100	अर्जिताधिकार (क्रेडिट) 06
-------	---	-----------------	---------------------------------

आन्तरिक मूल्यांकन के 20 अंको का विभाजन निम्नवत् है-

- 1- प्रदत्त नियत कार्य = 05
- 2- रांगोष्ठी एवं परिवर्षा = 05
- 3- शिक्षण सामग्री चयन/प्रबन्धन = 05
- 4- उपस्थिति - 75% = 1 अंक, 76-80% = 2 अंक, 81-85% = 3 अंक, 86-90% = 4 अंक, 91 % से अधिक = 5 अंक।

सन्दर्भ ग्रन्थ- स्कन्द पुराण, केदार खण्ड, मानस खण्ड, कुमाँऊ का इतिहास-पं. बद्रीदत्त पाण्डेय, गढ़वाल का सांस्कृतिक इतिहास।

18/04/26
18-4-2026
18/04/2026
द्वितीयक